कर्ज चुकाने के लिए की थी यूपी के टैक्सी चालक की हत्या, दो भाई गिरफ्तार

नोएडा से वडोदरा के लिए टैक्सी बुक कर रास्ते में वारदात अंजाम दी

अजमेर, (निसं)। अजमेर के गेगल थाना क्षेत्र में गगवाना पुलिया के पास लावारिस हालत में खड़ी अर्टिगा कार में मिले टैक्सी चालक श्रीकांत तिवारी की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्याकांड की इस वारदात में शामिल गाजियाबाद निवासी दो सगे भाइयों कौशल सिंह और सूरज सिंह को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, सूरज सिंह पर करीब 6 से 7 लाख रुपये का कर्ज था। कर्ज चुकाने के लिए दोनों भाइयों ने टैक्सी लूटने की योजना बनाई और इसी इरादे से नोएडा से गुजरात के वडोदरा तक के लिए टैक्सी बुक की थी। पुलिस के मुताबिक, रास्ते में टैक्सी चालक श्रीकांत के सतर्क रहने और वाहन पर अपना नियंत्रण बनाए रखने के कारण आरोपियों को कार लूटने का मौका नहीं मिल रहा था। इसके बाद आरोपियों ने मौका मिलते ही चालक के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान श्रीकांत की मौत हो गई। वारदात को सड़क हादसा दिखाने के लिए आरोपियों ने कार को सड़क किनारे खड़ी पिकअप से टकराकर क्षतिग्रस्त कर दिया और मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि गत 21 सितंबर को गेगल थाना पुलिस को गगवाना पुलिया के पास राजमार्ग किनारे एक लावारिस और क्षतिग्रस्त अर्टिगा कार खड़ी होने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो कार की बीच वाली सीट के पास एक व्यक्ति का शव मिला। प्रारंभिक तौर पर मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने मौके पर चलित विधि-विज्ञान दल और अन्य तकनीकी दलों को बुलाकर घटनास्थल और वाहन की जांच कराई। कार से मिले पहचान संबंधी दस्तावेज और तकनीकी सहायता के आधार पर मृतक के परिजनों से संपर्क किया गया। परिजनों ने शव की पहचान श्रीकांत तिवारी निवासी डिबियापुर, जिला इटावा, उत्तर प्रदेश के रूप में की। श्रीकांत टैक्सी चालक था। इसके बाद मृतक के परिजन की रिपोर्ट पर गेगल थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए अजमेर पुलिस ने आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग दल गठित किए। पुलिस दलों ने नेब्यावर से लेकर बगरू तक घटना स्थल की ओर आने-जाने वाले मार्गों पर लगे 60 से अधिक निगरानी कैमरोंकी तस्वीरें

- **आरोपियों ने हत्या के बाद हादसे का रूप देने के लिए पिकअप से भिड़ाई थी कार**

खंगालीं। ब्यावर, गेगल, किशनगढ और बगरू शुल्क नाके सहित विभिन्न स्थानों की तस्वीरों का विश्लेषण किया गया। तकनीकी सहायता से प्राप्त तस्वीरों में संदिग्धों के हुलिए का मिलान किया गया और उनकी आवाजाही का मार्ग-मानचित्र तैयार किया गया। इसके बाद संदिग्धों की तलाश के लिए पुलिस के अलग-अलग दलगाजियाबाद और दिल्ली भेजे गए।

पुलिस दलों ने गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली में करीब तीन दिन तक संदिग्ध आरोपियों के स्थानीय संपर्कों और गतिविधियों पर नजर रखी। पुख्ता जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस की मदद से27 सितंबरको गाजियाबाद के खोड़ा इलाके से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कौशल सिंह (26)और उसके छोटे भाई सूरज सिंह (22) के रूप में हुई है। दोनों गाजियाबाद के खोड़ा थाना क्षेत्र के जमाईपुरा इलाके में रहते हैं। पुलिस पूछताछ में दोनों ने टैक्सी चालक की हत्या में शामिल होना स्वीकार किया है। दोनों फिलहाल पुलिस अभिरक्षा में हैं और उनसे वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में सामने आया कि सूरज सिंह पर करीब 6-7 लाख रुपये का कर्ज था। कर्ज चुकाने के लिए उसने अपने बड़े भाई कौशल सिंह के साथ मिलकर टैक्सी लूटने की योजना बनाई। दोनों ने कम किराये में नोएडा से वडोदरा, गुजरात तक जाने के लिए टैक्सी बुक की। उनकी योजना अर्टिगा कार को लूटकर गुजरात के अंकलेश्वर में बेचने की थी।

यात्रा के दौरान चालक श्रीकांत के सतर्क रहने और कार का नियंत्रण अपने पास रखने के कारण आरोपियों को वारदात का मौका नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने रास्ते में एक तरफ जाने के लिए बुक की गई टैक्सी को दोबारा नोएडा के लिए किराये पर तय कर लिया। मौका मिलते ही दोनों ने चालक श्रीकांत के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में चालक की मौत हो गई।

किरायेदार युवती ने दोस्त के मिलकर 20 लाख के जेवर चुराये थे

पुलिस ने मामले में किरायेदार युवती और उसके साथी को गिरफ्तार किया

लालसोट, (निसं)। आजाद चौक इलाके में 70 वर्षीय गुड्डी देवी जैन के घर से करीब 20 लाख रुपए कीमत के सोने के जेवरात चोरी होने के मामले में पुलिस ने महज सात दिन में खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में किरायेदार युवती उमा मीणा (22) और उसके साथी कैलाश प्रसाद मीणा (30) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए जेवरात भी बरामद कर लिए गए हैं।

आरोपी महिला।

पुलिस के मुताबिक उमा मीणा पीड़िता के किराए के कमरों में रहती थी। उसने पीड़िता के जेवरात पर नजर पड़ने के बाद साथी कैलाश प्रसाद के साथ मिलकर चोरी की योजना बनाई। 14 सितंबर की शाम गुड्डी देवी मंदिर गईं। घर पर ताला लगाकर चाबी आले में छिपा दी। आरोप है कि उमा ने चाबी निकालकर कमरे का ताला खोला और तिजोरी से चार सोने की चूड़ियां, एक चेन, दो अंगूठियां और दो झुमकियां निकाल लीं। चोरी के बाद ताला दोबारा लगाकर चाबी उसी जगह रख दी, ताकि किसी को तत्काल शक न हो। अगले दिन कैंप के बहाने निकली पुलिस के अनुसार वारदात के बाद रात में उमा ने कैलाश प्रसाद को बुलाया और चोरी किए गए जेवर उसे दे दिए। अगले दिन वह स्काउट कैंप जाने का बहाना बनाकर घर से निकल गई। 21 सितंबर को मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच तेज की और सात दिन में वारदात का खुलासा करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चोरी के जेवरात बरामद कर लिए हैं।

पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर चोरी की पूरी साजिश और वारदात में किसी अन्य की भूमिका की भी जांच कर रही है।

घर के बाहर श्वान घुमाने की बात में झगड़े में घायल युवक की मौत

मामा-भांजा सहित एक अन्य को गिरफ्तार किया

जोधपुर, (कासं))। शहर के राइकाबाग स्थित लालजी हैण्डीक्राफ्ट के पीछे एक किराए के मकान में युवक से पड़ौसी के लोगों ने हाथों और डंडों से मारपीट की। इसमें युवक बुरी तरह घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, मगर अब उसकी मौत हो गई।

मृतक के भाई की तरफ से उदयमंदिर पुलिस ने हत्या प्रयास में प्रकरण दर्ज किया था। अब मामला हत्या में तब्दील किया गया है। इसमें मामा-भांजा सहित एक अन्य को गिरफ्तार किया गया है। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया है।

आरंभिक जांच में सामने आया कि मृतक परिवार द्वारा पड़ौसी के घर के बाहर श्वान घुमाना पाया गया, जिस पर आरोपियों ने मारपीट की।

उदयमंदिर थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि फलोदी जिले के आमला निवासी प्रेमसिंह पुत्र भोमसिंह की तरफ से रिपोर्ट दी गई थी। इसमें बताया कि उसका भाई 23 साल का यशवंत सिंह यहां राइकाबाग स्थित लालजी हैण्डीक्राफ्ट के पीछे भगवान सिंह के मकान में किराए पर रहता था। 26 सितंबर को पड़ौसी द्वारा श्वान को घुमाने की बात को लेकर विवाद हो गया, तब मोहित उर्फ मोंटू, लक्की और दामिनी कांत राजवंशी ने पहले घर के बाहर मारपीट की फिर घर में घुसकर उसके साथ डंडों आदि से मारपीट की।

रिपोर्ट के अनुसार डंडों आदि से की गई मारपीट में उसका भाई यशवंत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिस पर उसे अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया, मगर अब उसकी मौत हो गई।

थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि मामला हत्या में दर्ज कर अब तीन आरोपियों राइका बाग प्रजापत कॉलोनी लक्की पंवार पुत्र लक्ष्मण पंवार, जैन कॉलोनी के पास अजीत कॉलोनी निवासी दामिनी कांत राजवंशी पुत्र नेमीशरण एवं लालजी हैण्डीक्राफ्ट के पीछे रहने वाले मोहित गुप्ता उर्फ मिंटू पुत्र अनिल कुमार को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों से अग्रिम पूछताछ की जा रही है। इसमें आरोपी मोहित और दामिनीकांत दोनों मामा-भांजा है।

रोहित गोदारा गैंग ने बीकानेर के ज्वैलर से पांच करोड़ की फिरौती मांगी

बीकानेर, (निसं)। यहां ज्वैलर से रोहित गोदारा गैंग के नाम से 5 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई है। विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल कर धमकी दी। इसके बाद 57 सेकंड का वॉयस मैसेज भेजा। मामला नयाशहर थाना क्षेत्र का है। शिकायत पर पुलिस ने रोहित गोदारा और उसके गुर्गे वीरेंद्र चारण के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **पहले विदेशी नंबर से कॉल किया, फिर वॉयस मैसेज भेजा**

ज्वैलर जुगल नारायण सोनी ने बताया कि 26 सितंबर की शाम 4:52 बजे विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को वीरेंद्र चारण बताया था। व्हाट्सएप की आईडी इंग्लिश में 'जय बाबेरी' थी। कॉल के दौरान 5 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई। कॉल के बाद ज्वैलर को भेजे गए 57 सेकंड के वॉयस मैसेज में भी 5 करोड़ रुपए की मांग की गई। कॉल करने वाले ने कहा था कि उसने और उसके साथियों ने संगठित गैंग बना रखा है और गैंग के नाम से वसूली करते हैं। नयाशहर थानाधिकारी सुरजीत कुमार ने बताया कि रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण के खिलाफ बीकानेर के कई थानों में पहले भी एफआईआर दर्ज हैं। इनमें ज्यादातर फिरौती मांगने के मामले हैं।

गोवंश को बचाने में पिकअप पलटी

रतनगढ़, (निसं)। नेशनल हाइवे-11 पर लूंछ फांटा के पास गोवंश को बचाने के प्रयास में भेड़ों से भरी पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक भेड़ की मौत हो गई, जबकि चालक को मामूली चोटें आईं। पिकअप भी क्षितग्रस्त हो गई। हैड कांस्टेबल रवि मीणा ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ निवासी शाहरुख बीकानेर से पिकअप में भेड़ भरकर लक्ष्मणगढ़ जा रहा था।

सेवा शिविर में किसान की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हुआ

भीलवाड़ा, (निसं)। विकसित भारत जन सेवा अभियान-2026, सेवा सेतु अभियान-2026 के तहत सोमवार को गिरदावर सर्किल काछोला, तहसील काछोला में आयोजित शिविर में राजस्व विभाग से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्य जिसमें खाता दुरुस्ती, नामान्तरण, सहमति विभाजन, फार्मर रजिस्ट्री आदि कार्य मौके पर ही निस्तारित किये गये।

शिविर में ग्राम काछोला निवासी हरीसिंह पिता स्वरूप सिंह सोलंकी ने अपने नाम के शुद्धिकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किया। प्रार्थी के सभी दस्तावेजों व राजस्व रिकॉर्ड में नाम में भिन्नता होने से सभी सरकारी योजना जैसे किसान, फसल बीमा योजना, एवं के.सी.सी. और अन्य योजनाएं आदि से वंचित होना पड़ रहा है। शिविर प्रभारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भू-अभिलेख निरीक्षक काछोला एवं पटवारी हल्का काछोला को प्रार्थी के नाम दुरुस्ती बाबत् प्रकरण तैयार करने हेतु निर्देशित किया। भू-अभिलेख निरीक्षक व पटवारी द्वारा राजस्व रिकॉर्ड संलग्न दस्तावेज व आमजन से पूछताछ कर तुरंत जांच रिपोर्ट शिविर प्रभारी के समक्ष पेश की गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर शिविर प्रभारी द्वारा मौके पर ही नाम शुद्धिकरण का आदेश जारी किया गया। इस त्वरित कार्यवाही से आवेदक को लम्बे समय से चली आ रही राजस्व रिकॉर्ड संबंधी समस्या से राहत मिली।

- **सेवा शिविर में नाम शुद्धिकरण से योजनाओं का रास्ता खुला**

जन सेवा शिविर में राजस्व समस्या का मौके पर समाधान : - शिविर में ग्राम काछोला निवासी शिवकुमार पिता दुर्गालाल लुहार ने शिविर प्रभारी के समक्ष उपस्थित होकर राजस्व रिकॉर्ड में मुझे प्रार्थी शिवप्रकाश पुत्र दुर्गालाल, मांगी देवी पत्नी दुर्गालाल, राधा पुत्री दुर्गालाल, सीमा पुत्री दुर्गालाल का नाम की दोहरी प्रविष्टि हो रही है जिसको एकल करने बाबत आवेदन किया। प्रार्थी के राजस्व रिकॉर्ड में दोहरी प्रविष्टि होने से राजस्व संबंधित सभी कार्य बाधित हो रहे हैं।

शिविर प्रभारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भू-अभिलेख निरीक्षक एवं पटवारी हल्का काछोला को प्रार्थीगणों के दोहरी प्रविष्टी को एकल करने बाबत प्रकरण तैयार करने हेतु निर्देशित किया। भू-अभिलेख निरीक्षक व पटवारी हल्का काछोला द्वारा प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट तैयार कर राजस्व रिकॉर्ड में दोहरी प्रविष्टि को एकल प्रविष्टि करने बाबत शुद्धिपत्र तैयार कर शिविर प्रभारी तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत किया। जिसे तहसीलदार द्वारा तुरंत ही स्वीकृत कर दोहरी प्रविष्टि को एकल प्रविष्टि करने का आदेश पारित किया। इस त्वरित कार्यवाही से आवेदक को लम्बे समय से चली आ रही राजस्व रिकॉर्ड संबंधित समस्या से राहत मिली। आवेदकों ने खुशी जाहिर करते हुए राज्य सरकार व राजस्व प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

'खाद की मनमानी रेट वसूल रहे हैं व्यापारी'

टोंक, (निसं)। देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र में डीएपी खाद की भारी किल्लत और मनमाने दामों पर बिक्री को लेकर किसान नेता नरेश मीणा ने 2 अक्टूबर को धरना प्रदर्शन करने का घोषणा की है। साथ ही जरूरत पड़ने पर आमरण अनशन भी करने की चेतावनी दी है। नरेश मीणा ने बताया कि अब रबी सीजन में गेहूं, चना, सरसों, लहसुन की बुवाई का समय है और ऐसे में डीएपी खाद की भारी किल्लत से किसान संकट में है। क्षेत्र में खाद मनमाने दामों पर बेची जा रही है, इस पर कोई अंकुश नहीं है। मजबूरन किसान 1,350 रुपए का कट्टा डबल रेट में खरीद रहे हैं। इससे किसानों को दोहरी मार का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने घोषणा की है कि 2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन उनियारा एसडीएम कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया जाएगा। पूर्व में उन्होंने छबड़ा और छीपाबड़ौद में खाद की समस्या को लेकर आंदोलन किया था और किसानों को 1,350 रुपये की सरकारी दर पर डीएपी खाद दिलवाई थी।

एक साल के बच्चे ने खेलते समय नौ चुंबकीय गोलियां निगली, चिकित्सकों ने जान बचाई

लगातार चुंबकीय दबाव के कारण बच्चे की आंतों में 16 स्थानों पर छेद हो गए थे, जेएलएन अस्पताल में शिशु की जटिल शल्य चिकित्सा की

अजमेर, (निसं)। जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज, अजमेर में चिकित्सकों ने एक साल के मासूम की जटिल शल्य चिकित्सा कर उसकी जान बचाई। बच्चे ने खेलते समय गलती से 9 चुंबकीय गोलियां निगल ली थीं। ये गोलियां आंतों में पहुंचकर अलग-अलग हिस्सों को आपस में खींचकर चिपक गईं। लगातार चुंबकीय दबाव के कारण बच्चे की आंतों में 16 स्थानों पर छेद हो गए और उसकी हालत गंभीर हो गई। चिकित्सकों ने तत्काल शल्य चिकित्सा कर चुंबकीय गोलियां बाहर निकालीं तथा क्षतिग्रस्त आंतों का उपचार किया। उपचार के बाद बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है और उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के शिशु शल्य विभाग की टीम ने यह जटिल शल्य चिकित्सा की।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. अनिल सामरिया, अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे और उप अधीक्षक डॉ. अमित यादव ने बताया कि बच्चे द्वारा चुंबकीय गोलियां निगलने के बाद शुरुआत में स्थानीय स्तर पर उसका उपचार कराया गया था। उस समय समस्या की गंभीरता सामने नहीं आ सकी। कुछ समय बाद बच्चे का पेट फूलने लगा और उसकी हालत लगातार बिगड़ने लगी। इसके बाद परिजन उसे जेएलएन अस्पताल लेकर पहुंचे।

अस्पताल के शिशु शल्य विभाग में डॉ. गरिमा अरोड़ा ने बच्चे की विस्तृत जांच कर आवश्यक परीक्षण करवाए। जांच के दौरान पता चला कि बच्चे की आंतों में 9 चुंबकीय गोलियां फंसी हुई थीं। चुंबकीय आकर्षण के कारण आंतों के अलग-अलग हिस्से आपस में चिपक गए थे। इसके चलते आंतों में 16 स्थानों पर छेद हो गए थे। इससे संक्रमण और आंतों में रुकावट की गंभीर स्थिति पैदा हो गई थी।

बच्चे की हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने बिना देरी किए शल्य चिकित्सा करने का निर्णय लिया। शल्य चिकित्सा के दौरान आंतों में फंसी सभी चुंबकीय गोलियां निकाली गईं। इसके साथ ही आंतों में हुए छेदों और चुंबकीय दबाव से हुई क्षति का उपचार किया गया।

इस जटिल शल्य चिकित्सा में डॉ. गरिमा अरोड़ा, डॉ. दिनेश बारोलिया और शिशु शल्य विभाग की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं बेहोशी एवं शल्य चिकित्सा विभाग की ओर से डॉ. अरविंद खरे, डॉ. रतन यादव और उनकी टीम ने सहयोग किया।

सफल शल्य चिकित्सा और उपचार के बाद बच्चे की हालत में तेजी से सुधार हुआ। चिकित्सकों की निगरानी में स्वस्थ होने के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

चिकित्सकों ने अभिभावकों को सावधान करते हुए बताया कि बच्चों द्वारा चुंबकीय वस्तुओं को निगलना बेहद गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। एक से अधिक चुंबकीय गोलियां आंतों के अलग-अलग हिस्सों को अपनी ओर खींच सकती हैं। इससे आंतों पर अत्यधिक दबाव पड़ने के साथ उनमें छेद होने, संक्रमण और रुकावट जैसी गंभीर जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए बच्चों को ऐसी छोटी चुंबकीय वस्तुओं से दूर रखना बेहद जरूरी है।

झुंझुनूं क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन के तार चुराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

गिरोह के सरगना समेत छह आरोपी गिरफ्तार, एक विधि से संघर्षरत बालक निरूद्ध

झुंझुनूं/सिंघाना, (निसं)। हाईटेंशन 765 केवी बिजली लाइन के एल्युमिनियम तार चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के खिलाफ सिंघाना पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने गिरोह के मुख्य आरोपी महेश कुमार उर्फ कुम्भाकाला समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक को निरूद्ध किया गया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के तार से भरी बिना नंबर की पिकअप, एक स्विफ्ट कार , 1 लाख 28 हजार 500 रूपए नकद तथा तार काटने में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार 28 सितंबर को डीएसटी झुंझुनूं के एएसआई शशिकांत को मुखबिर से सूचना मिली कि कुठानियां जोहड़ में हाईटेंशन 765 केवी बिजली लाइन के तार चोरी करने वाला गिरोह मौजूद है। गिरोह के सदस्य पिकअप और स्विफ्ट कार में चोरी के तार भरकर ले जाने की तैयारी में हैं। सूचना के आधार पर सिंघाना थानाधिकारी सुगन सिंह मय जाब्ता कुठानियां जोहड़ पहुंचे।

पुलिस ने पिकअप वाहन सहित चुराये गये तार जब्त किये।

पुलिस टीम अमरपुरा-कुठानियां कच्चे रास्ते पर पहुंची तो जोहड़ की ओर जाने वाले रास्ते के मोड़ पर सामने से तिरपाल लगी बिना नंबर की पिकअप आती दिखाई दी। उसके पीछे एक स्विफ्ट कार भी चल रही थी। पिकअप में तीन और स्विफ्ट में चार युवक सवार थे। पुलिस टीम को देखते ही दोनों वाहनों में सवार युवक गाड़ियां छोड़कर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर सभी को पकड़ लिया। पिकअप की तलाशी लेने पर उसमें हाईटेंशन 765 केवी बिजली लाइन के चोरी किए गए एल्युमिनियम तार भरे मिले।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे गिरोह के सरगना महेश उर्फ कुम्भाकाला के साथ चोरी के तार बेचने तथा आपस में हिस्से का बंटवारा करने के लिए जा रहे थे। पुलिस ने दोनों वाहनों में सवार लोगों की तलाशी ली तो उनके कब्जे से 1,28,500 रूपए नकद बरामद हुए। पुलिस ने चोरी के तार के परिवहन में प्रयुक्त दोनों वाहनों तथा तार काटने में इस्तेमाल किए गए उपकरणों को जब्त कर लिया। पुलिस

- **बिना नंबर की पिकअप व स्विफ्ट कार सहित नकदी और तार काटने के उपकरण बरामद**

अब आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह द्वारा की गई अन्य वारदातों और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में महेश कुमार उर्फ कुम्भाकाला पुत्र रछपाल राम, अजय उर्फ कालू पुत्र बीरबल, दुष्यन्त मीणा उर्फ मोनू पुत्र दौलतराम, अनिल पुत्र प्रकाशचंद, अमित जाखड़ पुत्र मूलचंद तथा हिमान्शु उर्फ लाला पुत्र सुरेन्द्र शामिल हैं। इनके साथ एक विधि से संघर्षरत बालक को भी निरूद्ध किया गया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी हिमान्शु उर्फ लाला का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया है। उसके खिलाफ थाना खेतड़ीनगर और कोतवाली में दो प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस गिरोह के नेटवर्क और पूर्व में की गई बिजली तार चोरी की घटनाओं के संबंध में भी जांच कर रही है।

अलवर मेडिकल कॉलेज में ठेके पर काम कर रहे सफाईकर्मी हड़ताल पर

अलवर, (निसं)। अलवर के अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज में ठेके पर काम कर रहे सफाई कर्मचारी पिछले चार दिनों से हड़ताल पर हैं। कर्मचारियों के काम पर नहीं आने से कॉलेज परिसर की सफाई व्यवस्था प्रभावित है और कई जगह गंदगी नजर आ रही है। इससे मरीजों, परिजनों और स्टाफ को परेशानी हो रही है।

- **हड़ताल कर रहे सफाईकर्मियों का कहना है कि उन्हें सफाई व्यवस्था के लिए नियुक्त किया गया है, लेकिन उनसे तय काम के अलावा दूसरे कार्य भी कराए जाते हैं**
- **सफाई कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि उनसे प्रिंसिपल के सरकारी आवास पर भी सफाई और घरेलू काम कराया जाता है**

अलवर में जेल सर्किल स्थित अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज में सफाईकर्मियों की हड़ताल के कारण सफाई व्यवस्था प्रभावित हो गई है। ठेके पर कार्यरत सफाई कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर पिछले चार दिनों से काम पर नहीं लौटे हैं। कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने से कॉलेज परिसर में जगह-जगह गंदगी नजर आ रही है। इससे मरीजों, उनके परिजनों, कॉलेज स्टाफ और यहां आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हड़ताल कर रहे सफाईकर्मियों का कहना है कि उन्हें मेडिकल कॉलेज की सफाई व्यवस्था के लिए नियुक्त किया गया है, लेकिन उनसे तय काम के अलावा दूसरे कार्य भी कराए जाते हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि पेड़-पौधों की कटाई-छंटाई, घास काटने और गेंती-फावड़ा चलाने जैसे काम भी कराए जाते हैं।

सफाई कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि उनसे प्रिंसिपल के सरकारी आवास पर भी सफाई और घरेलू काम कराया जाता है। सफाईकर्मी रीना और भारती का कहना है कि वे करीब तीन साल से इस तरह की समस्या का सामना कर रहे हैं। उनका कहना है कि उनकी नियुक्ति मेडिकल कॉलेज की सफाई के लिए हुई है, लेकिन कई बार मूल काम छोड़कर दूसरे काम करने के लिए कहा जाता है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने इन कार्यों को लेकर आपत्ति जताई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। इसी के चलते उन्होंने चार दिन पहले काम बंद कर दिया।

सफाईकर्मियों ने पीएफ से जुड़ी समस्याओं के समाधान की भी मांग की है। कर्मचारियों के अनुसार पीएफ को लेकर लंबे समय से समस्या बनी हुई है। उनका कहना है कि इस संबंध में भी कई बार मांग उठाई गई, लेकिन अभी तक संतोषजनक समाधान नहीं हुआ। कर्मचारियों के अनुसार ठेकेदार ने उनकी समस्याओं के समाधान के लिए 10 दिन का समय मांगा है। हालांकि, काम के घंटे, अतिरिक्त कार्य और पीएफ से जुड़े मुद्दों पर अभी तक ठोस समाधान नहीं हुआ है।

हड़ताल कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि वे अपनी नियुक्ति के अनुसार ही काम करना चाहते हैं। कर्मचारियों की मांग है कि उनसे सफाई के अलावा अन्य कार्य नहीं कराए जाए और पीएफ से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जाए। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो हड़ताल को अनिश्चितकाल के लिए आगे बढ़ाया जा सकता है। फिलहाल हड़ताल के कारण मेडिकल कॉलेज की सफाई व्यवस्था प्रभावित है।